अथवा

घनआनंद की कविता में अभिव्यक्त प्रेम के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

4. "पंत की कविता में प्रकृति बड़े सहज रूप में उपस्थित रहती है"। इस कथन के आलोक में पंत की कविता की समीक्षा कीजिए। (10)

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त की कविता 'नर हो मन निराश करों मन को' का सार अपने शब्दों में लिखिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी कीजिए : (5×3=15)

(i) पूर्वी हिन्दी

(ii) द्विवेदी युग

(iii) संत काव्य

(iv) रीतिकालीन साहित्य

(v) हिन्दी भाषा का भौगोलिक विस्तार

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 829 **B**

Unique Paper Code : 62051215

Name of the Paper : Hindi – C

Name of the Course : **B.A. (P) Functional Hindi**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. (क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (10×3=30)

माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर।
कर का मन का डारि दे, मन का मनका फेर।।

अथवा

मैया मैं नहिं माखन खायौं,

ख्याल परै ये सखा सबै मिलि, मेरै मुख लपटायौ।

देखि तुहीं सींके पर भाजन उंचे धरि लटकायौ

हों जुकहत नान्हें कर अपनै करि पायौ।

मुख दधि पोंछि, बुद्धि एक

किन्ही, दोना पीई दुरायौ

डारि सांटि मुसुकाई जसोदा, सयामहिं कंठ लगायौ

बाल-बिनोद मोद मन मोहयो, भक्ति प्रताप दिखायौ

सूरदास जसुमत को यह सुख, सिव बिरंचि नहिं पायौ।

(ख) थोरै ही गुण रीझते, बिसराई वह बानि।

तुमहू, कान्ह, मनौ भए, आजकिाल्ह के दानि।।

अथवा

अति सुधो सनेह को मरग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।

तहाँ साँचे चलै तजि आपनपौ झझकै कपटी जे निसांक नहीं।।

घनआनंद प्यारे सूजन सुनौ यहाँ एक तें दूसरों आँक नहीं।

तुम कौन धौं पाटी पढ़ें हौ कहौ मन लेहु पै देहु छटाँक नहीं।।

(ग) किस गौरव के तुम योग्य नहीं

कब कौन तुम्हें सुख भोग्य नहीं

जान हो तुम भी जगदीश्वर के

सब है जिसके अपने घर के

फिर दुर्लभ क्या उसके जन को

नर हो, न निराश करो मन को।

अथवा

मैंने छुटपन में छिपकर पैसे बोए थे,

सोचा था, पैसों के प्यारे पेड़ उगेंगे,

रुपयों की कलदार मधुर फसलें खनकेंगी

और फूल-फलकर मैं मोटा सेठ बनूँगा।

2. सूरदास का साहित्यिक परिचय दीजिए। (10)

अथवा

कबीर की सामाजिक चेतना का निरूपण कीजिए।

3. बिहारी की कविता के शिल्प पक्ष पर अपने विचार रखिए। (10)